Contents

-:विषय-सूची:-

"हिन्दी के साठोत्तरी उपन्यासों में अंकित जीवन-मूल्य"

विषय-प्रवेश

प्रथम-अध्याय : जीवन और जीवन-मूल्य

मूल्य के लक्षण = सदवस्तु (Reality)

आदर्श, (Ideal) मूल्यानुभूति, (Feeling of Value)

प्रतिमान, (Pattern)

संकल्प, (Will) या धारणा (attitude)

मूल्य वर्गीकरण = §1§ व्यक्तिगत मूल्य (Individual Value

§2§ आध्यात्मिक (Spiritual Value

मूल्य

§3§ समाजगत मूल्य (Social Value)

§4§ राजनीतिक मूल्य (Political Value)

साहित्य और जीवन मूल्य

हिन्दी के साठोत्तरी उपन्यास = जीवन मूल्य

निष्कर्ष.

द्वितीय-अध्याय : युगगत जीवन-मूल्यों का विश्लेषण

पूर्वपीठिका

पूर्व युगीन जीवन-मूल्य

युगगत जीवन-मूल्य §सन् 1960 ई॰ के बाद§

जीवन-मूल्यों को प्रभावित करने वाली प्रवृत्तियाँ

मूल्यों के विकास के कारण तथा उनके विविधपक्ष :-

§1§ नैतिकता की टूटती हुई मान्यतायें

§क§ व्यक्तिगत जीवन में स्वच्छन्द यौनवृत्ति

§ख§ परम्परा के प्रति विद्रोह की चेतना

§ग§ जाति व्यवस्था के प्रति नया दृष्टिकोण

...1

§2§ सामाजिक प्रवृत्तियाँ

§क§ पारिवारिक संबंधों का पतन
और नये आयाम

§ख§ सामाजिक रीतियों के प्रति
नये दृष्टिकोण : बौद्धिकता

§ग§ वर्ग चेतना §सामाजिक वर्ग के नये प्रतिमान§

§3§ वैयाक्तिक चेतना

§क§ बौद्धिकता और उसका प्रभाव
§ख§ विज्ञान की उन्नति के कारण
विकसित नये दृष्टिकोण तज्जन्य परिस्थिति

§ग§ मानसिक कुण्ठाएं, तनाव इत्यादि

§4§ राजनीतिक और आर्थिक प्रवृत्तियाँ

§क§ आर्थिक जीवन, औद्योगीकरण और नयी
वर्ग चेतना
§ख§ राजनीतिक गतिविधियों और उनसे
विकसित चेतना और जीवन मूल्य.

निष्कर्ष

तृतीय-अध्याय : कृति परिचय - भाग§1§
अज्ञेय-अपने अपने अजनबी§1961§, हिमांशु श्रीवास्तव-
नदी फिर बह चली§1961§, नरेश मेहता-यह पथ बंधु
था§1962§, भगवती चरण वर्मा -सामर्थ्य और सीमा
§1962§, प्रश्न और मरीचिका§1962§, राँगेय राघव
आखिरी आवाज़ §1962§ उपेन्द्र नाथ अश्क - शहर
में घूमता आईना §1963§ यशपाल -बारह घण्टे§1963
शानी- काला जल §1965§, अमृत लाल नागर -
अमृत और विष §1966§ , राजेन्द्र यादव - मंत्रबिद्ध
§1967§, यशपाल -क्यों फँसे §1968§, गिरिधिर गोप
कन्दील और कुंहासे §1969§, अमृतराय -जंगल §1969
भगवती चरण वर्मा -सबहिं नचावत राम गोसाईं§197
अमृत लाल नागर - नाच्यौ बहुत गोपाल §1978§
नरेश मेहता - उत्तरकथा §1979§
अन्य उपन्यास ।
निष्कर्ष

चतुर्थ - अध्याय : कृति परिचय - भाग (2)

अँधेरे बंद कमरे-(1961) मोहन राकेश, डाकबंगला (1962) कमलेश्वर । मंजिल से आगे(1962) महावी अधिकारी, वे दिन (1964) निर्मल वर्मा । मछली मरी हुई(1966) राजकमल चौधरी । आधा गाँव-(1966) राही मासूम रज़ा । सुबह अँधेरे पथ पर-(1967) सुरेश सिन्हा । रूकोगीनहीं ...राधिका (1967) उषा प्रियवंदा । अन्तराल (1967) मोहन राकेश । चिड़ियाघर(1968) गिरिराज किशोर । अलग अलग वैतरणी (1968) शिव प्रसाद सिंह । राग दरबारी(1968) श्री लाल शुक्ल । जल टूटता हुआ(1969) राम दरश मिश्र । आपका बंटी(1970 मन्नु भण्डारी । उसका शहर (1970) सुरेश सिन्हा सफेद मेमने (1971) मणि मधुकर । सूरज मुखी अँधेरे के (1972) कृष्णा सोबती । सूखता हुआ तालाब (1972) जगदीश चन्द्र । बेघर (1971) ममता कालिया । काली आँधी (1974) कमलेश्वर । मुरदाघर (1974) जगदम्बा प्रसाद दीक्षित । कभी न छोड़ै खेत (1976) जगदीश चन्द्र । सहचारिणी (1978) मालती जोशी । महाभोज (1979) मन्नु भण्डारी ।

अन्य उपन्यास

निष्कर्ष

पंचम - अध्याय : व्यक्तिगत जीवन-मूल्य

नये-दृष्टिकोण : बौद्धिकता का प्रभाव
व्यक्तिगत जीवन में स्वच्छंद यौन चेतना
परम्पराओं के प्रति विद्रोह की चेतना

मानसिक कुण्ठाएं एवं तनाव
निष्कर्ष - व्यक्ति और समाज
विषयक द्वन्द्व

षष्ट : सामाजिक जीवन-मूल्य

आमुख
बदलते हुए सामाजिक दृष्टिकोण
समाजवादी चेतना
मानवतावाद
पारिवारिक संबंधों का पतन एवं नये आयाम
सामाजिक रीति रिवाजों के प्रति नये दृष्टिकं
जाति व्यवस्था के प्रति नया दृष्टिकोण
सामाजिक वर्गों के नये प्रतिमान
मूल्यांकन

सप्तम अध्याय : राजनीतिक और आर्थिक जीवन-मूल्य

राजनीतिक परिस्थितियों का अंकन और
जीवन-मूल्य
दलीय राजनीति
आर्थिक-जीवन और समसामयिक आन्दोलन
तथा जीवन-मूल्य
राजनीतिक जीवन के नये मोड़ और
जीवन-मूल्य
विदेशी-रीति और तज्जन्य जीवन-मूल्य
साम्प्रदायिक समस्या और मूल्य विकास
की भूमियां
राजनीतिक चेतना का स्वरूप और मूल्य
विघटन
निष्कर्ष
उपसंहार